

The Oxford College of Science

202-2021

Hindi Project work

विषय :- वैश्विक तापमान

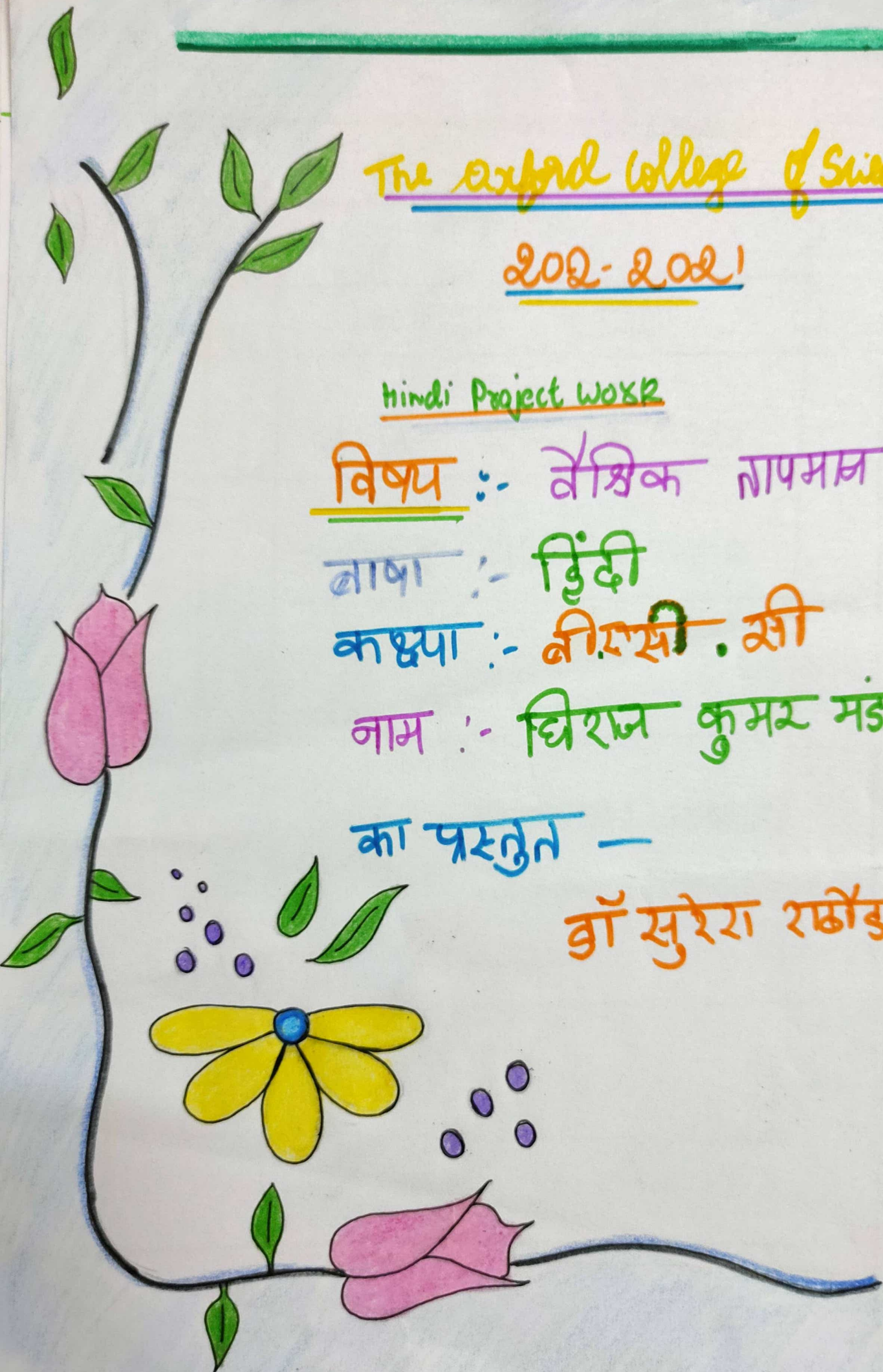
भाषा :- हिंदी

कक्षा :- बी.एस्सी. सी

नाम :- विश्वज कुमर मंडल

का प्रस्तुत -

डॉ सुरेश शर्मा





## विषय

S.NO	
01	तलीबल वार्मिंग
02	तलीबल वार्मिंग के कारण
03	तलीबल वार्मिंग के प्रभाव
04	Co <sub>2</sub> का प्रभाव
05	तलीबल वार्मिंग का सामंथाले रीकने का उपाय
06	धातुक पीछिणाम
07	बिषय



## उत्तेजित निर्मिता के करणा

★ वैवाहिक जीवन

माहिकेवी वर्मा जैसे प्रतिभाशाली और प्रसिद्ध पत्रकारों और राजनीतिज्ञों की जी। जहाँ 1916 में उनके चाचा श्री बाँके बिहारी ने इनका कोरली के पास नया गाँव कस्बे के निवासी की स्थापना। महिजी का विवाह उस उम्र में हुआ। जब वे विवाह का मतलाब श्री नहीं है आँख खुली तो कपड़े में गाँठ लगाता है।

महिकेवा वर्मा के पिता जी की मृत्यु के पास ही रहे, परंपुरी की स्थापना है।



## ग्लोबल वार्मिंग

★ संदर्भ :-

★ वर्मा 1985, पृष्ठ 38-40 से  
वा है। लिटरी इंडिया (अंग्रेजी) -

★ गद्यकार महादेवी वर्मा (राचडीराम)  
तापीलोक अभिरामन तिथि 26 मार्च  
2007

★ गुप्ता, इंदिरा (2004) इंडी 50 से  
~~बो~~ India's 50 most illustrious women  
(अंग्रेजी में)। आइकॉन पृ. 38-40  
जाना जाहिरा (मकह)

★ गोपेष्ठा, अनिता (2007) आजकल (मसि  
- फि) मंडू दिल्ली, भारत प्रकाशन  
विभाग, सूचना भवन पृ. 43. पाल  
प्रावीण है।



## प्रारंभिक जीवन और परिवार

वर्मा का जन्म फर्रुखाबाद, उत्तर प्रदेश के एक संपन्न परिवार में हुआ। इस परिवार में लगभग 200 वर्षों का साथ पीढ़ियों के ब्रह्म गोवींद प्रसाद वर्मा और उनके घर की बेटी - महोद्वी नामा और उन्होंने इनका नाम महोद्वी रखा था।

महोद्वी वर्मा के हृदय में शैशवावस्था से ही जीवा मात्र के प्रति करुणा थी। उन्हें लपटुक में कूँ कूँ करते हुए पिल्लों का भी ध्यान राना था।



## ८०२ का प्रभाव

- ★ प्रांशुशिका जीवना और पख्खार
- ★ परिचिन और आत्मीय
- ★ वैवदिका जीवन
- ★ प्रसिद्धि के पथ पर
- ★ व्यक्तित्व
- ★ हुहें श्री देखे
- ★ सङ्कर्ष
- ★ बाहरी कटिपाँ
- ★ फरुश्वावाक
- ★ प्रथग महिला
- ★ मौद्रिका
- ★ नीहार

## परिचित और आत्मीय

महोदेवी जैसे प्रतिभाशाली और प्रसिद्ध व्यक्तित्वों की तरह जूही राजनिती से थी। वे महात्मा फीला में तो हाला राहूँ हैं मैं कुचा कर जूही साकरे हैं। "पन्ना जी के पहले पुरुषना श्री हिन्दू बीडिंग हाउस महोदेवी अवार्ड हैं, रक्षाबंधन, होली और उनके घुंघराले बँटू थी। वेना राखी को रक्षा का नही स्नेह का प्रतीकर मानती है।

गंगा प्रभाकर पांडेया के राजगी पांडेया ने महोदेवी वर्मा के अतिमा समय में उनकी लड़ी सेवा की। इसकी अनिश्चित हालाहाला के भी सभी साहित्यकारों और परिचितों से उनके आत्मीय संबंध थे।



महिला विद्यापी की प्रधानाचार्य बनी रही।  
उनका बाल-विवाह हुआ परन्तु उन्होने  
अविवाहित की भाँति जीवन-यापन किया।

प्रतिभावान कवयित्री और गद्यन लेखिका  
महोदयी वर्मा साहित्य और संगीत में निपुण  
होण के साथ साथ। कुशल चित्रकार और  
सृजनात्मक अनुवाद भी थी। उन्हे हिन्दी  
साहित्यकार है। गान शातबकी की बनी रही।

वे भारत की 50 सबसे पशस्ती  
महिलाओं में भी शामिल है। महोदयी  
वर्मा और सुश्रुता कुमारी पौडान के  
बीच वचन से मित्रता है।



★ वाशिष्ठा, आर. के. (२००२). उत्तर  
प्रेक्षा (मसिखक प्रक्रिया) आरम्भ  
सूचाना शर्त जर्नल विभाग ।

★ पांडेय, गंगा (२००७), महीयसी  
महोवी

★ वर्मा, महादेवी . आधुनिक कवि महात्मा  
वर्मा पृ० ३०



## ★ बाहरी कड़ियाँ

हिन्दी कविता के रूपावाही  
पुष्पा के चार प्रमुख स्तंभों में से एक  
मानि जाती हैं। १९२२ में बलागुवाल्दा  
में कास्पेट कॉलेज से शिक्षा का  
प्रारंभ करते हुए उन्होंने १९२३ ईमें  
बलागुवाल्दा विश्वविद्यालय से संस्कृत  
में राम रा की अधिक प्राप्त की।